सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 09 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 9 फरवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जितना बड़ा संघर्ष होगा जीत उतनी शानदार होगी।
-निक व्युजेसिक

महिला सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकता बनाएंगे... 8 | उत्तराखंड में भाजपा-कांग्रेस के... 3 | क्या करोड़ों लेकर तय किया गया... 7

मतदान से एक दिन पहले कांग्रेस का ऐलान

सरकार बनी तो दस दिनों में किसानों का कर्ज होगा माफ, बिजली बिल हाफ

» सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 40 फीसदी देंगे आरक्षण, जारी किया उन्नति विधान

» बीमारी पर दस लाख रुपये तक मुफ्त इलाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से एक दिन पहले आज कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस की महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय पर उन्नति विधान नामक यह घोषणा पत्र जारी किया। इससे पहले पार्टी युवाओं के लिए भर्ती विधान घोषणा पत्र और महिलाओं के लिए शक्ति विधान घोषणा पत्र जारी कर चुकी है।

उन्नति विधान जन घोषणा पत्र जारी करते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अब तक जारी घोषणा पत्रों में आम लोगों के सुझावों को शामिल किया गया है। आज की सबसे बड़ी समस्या रोजगार और महंगाई की है। इसे लेकर कई घोषणाएं की गई हैं। यदि यूपी में कांग्रेस की सरकार बनी तो दस दिनों के भीतर किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा। किसानों से 25 सौ रुपये में गेहूं व धान और चार सौ रुपये क्विंटल गन्ना खरीदा जाएगा। सभी का बिजली बिल हाफ किया जाएगा। कोरोना काल में जिसका भी बिजली बिल बकाया है उसे माफ किया जाएगा। जिन्हें कोरोना महामारी की सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ी उन परिवारों को 25 हजार रुपये सहायता दी जाएगी। 20 लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। इन नौकरियों में महिलाओं को 40 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। यदि कोई बीमारी होती है तो सरकार की तरफ से 10 लाख रुपये तक इलाज मुफ्त कराया जाएगा। उन्होंने आवारा पशुओं की समस्याओं को लेकर घोषणा करते हुए कहा कि पीड़ितों को प्रति बीघा तीन हजार रुपये मुआवजा दिया जाएगा। किसानों के लिए गोधन न्याय योजना शुरू की जाएगी। इसमें किसानों से दो रुपये किलो गोबर खरीदा जाएगा।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

फोटो: सुमित कुमार

एक लाख लोगों से बात कर बनाया घोषणा पत्र

इस मौके पर कांग्रेस की घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष सलमान खुर्शीद ने कहा कि हम अब तक दो घोषणा पत्र जारी कर चुके हैं जिसमें से पहला महिलाओं के लिए और दूसरा युवाओं के लिए था। अब हम तीसरा और अंतिम घोषणा पत्र जारी कर रहे हैं। इसके लिए हमने करीब एक लाख लोगों से बात की जिनकी आकांक्षाओं को इसमें शामिल किया गया है। हमने समाज के हर वर्ग से बात की और यह जन घोषणा पत्र तैयार किया है।

अन्य वादे

- 20 लाख सरकारी नौकरियां देंगे। 12 लाख पद खाली हैं जिसे भाजपा ने नहीं भरा है। हम आठ लाख नौकरियां और देंगे।
- आवारा पशुओं से नुकसान होने पर 3000 रुपये मुआवजा दिया जाएगा।
- छोटे व्यापारियों की मदद करेंगे और लघु उद्योगों को और मजबूत बनाएंगे।
- संविदा नियुक्ति बंद की जाएगी। संविदाकर्मियों का नियमितीकरण किया जाएगा। आउटसोर्सिंग बंद की जाएगी।
- झुग्गीवासियों को भूमि अधिकार दिया जाएगा।
- ग्राम प्रधानों का वेतन 5 हजार व चौकीदारों का वेतन भी बढ़ाया जाएगा।
- कोरोना के दौरान जान गंवाने वाले योद्धाओं के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा दिया जाएगा।
- शिक्षामित्रों का नियमितीकरण व मानदेय वृद्धि की जाएगी।
- अनुसूचित जातियों व जनजातियों के बच्चों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा दी जाएगी।
- पूर्व सैन्यकर्मियों के लिए एक विधान परिषद की सीट आरक्षित की जाएगी।
- सच्चाई लिखने वाले और दिखाने वाले पत्रकारों से मुकदमें खत्म किए जाएंगे।
- महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती उनके अपने जिले में की जाएगी।

हिजाब पर घमासान, कांग्रेस-भाजपा में जुबानी जंग

नई दिल्ली। कर्नाटक में स्कूल में हिजाब पहनकर जाने के मामले ने सियासी रंग ले लिया है। इस मामले में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी भी कूद गई हैं। प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर लिखा, बिकनी पहनें, घूंघट पहनें, जींस पहनें या फिर हिजाब, यह महिलाओं का अधिकार है कि वह क्या पहनें और यह अधिकार उसे भारत के संविधान से मिला है। भारत का संविधान उसे कुछ भी पहनने की गारंटी देता है इसलिए महिलाओं को प्रताड़ित करना बंद करें। यूपी चुनाव के दौरान दिए गए इस बयान के बाद भाजपा नेता वीके सिंह ने प्रियंका पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस इस मामले में राजनीति कर रही है और चुनाव में फायदा उठाना चाहती है।

खराब मौसम के कारण अखिलेश का रामपुर दौरा स्थगित

आजम और अब्दुल्ला के लिए करना था प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में चुनावी पारा चरम पर पहुंच चुका है। सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी भाजपा को प्रदेश की सत्ता से बेदखल करने का संकल्प लेकर मोर्चेबंदी कर दी है और अपने प्रत्याशियों के पक्ष में जोरदार प्रचार कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्हें आज रामपुर सदर सीट से पार्टी के उम्मीदवार आजम खां और स्वार सीट से प्रत्याशी उनके बेटे अब्दुल्ला आजम के पक्ष में रामपुर जाकर प्रचार करना था लेकिन यह कार्यक्रम खराब मौसम के कारण स्थगित कर दिया गया। सपा के ट्विटर हैंडिल से यह जानकारी दी गयी। अगली तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी।

समाजवादी पार्टी ने एक ट्वीट कर कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव का रामपुर में होने वाला कार्यक्रम खराब मौसम के कारण स्थगित हो गया है, कार्यक्रम की अगली तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी। अखिलेश को रामपुर सदर सीट से पार्टी उम्मीदवार आजम खां और जिले की ही स्वार सीट से प्रत्याशी उनके बेटे अब्दुल्ला आजम के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए रामपुर जाना था। रामपुर में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत आगामी 14 फरवरी को मतदान होगा। सपा ने आजम खां को रामपुर सदर से अपना उम्मीदवार बनाया है। आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम स्वार सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

पहले चरण का मतदान कल पोलिंग पार्टियां रवाना

» 11 जिलों की 58 सीटों पर होगी वोटिंग, 623 प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग के लिए प्रचार का शोर थम चुका है। पश्चिमी यूपी और ब्रज क्षेत्र के 11 जिलों की 58 सीटों पर गुरुवार 10 फरवरी को मतदान होगा। इसके मद्देनजर आज पोलिंग पार्टियां बूथों के लिए रवाना हो गयी हैं। आयोग ने मतदान से जुड़ी अन्य तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुरक्षा का भी मुकम्मल इंतजाम किया गया है।

पहले चरण में शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा और आगरा में वोटिंग होनी है। 2.27 करोड़ मतदाता इस चरण में वोटिंग करेंगे। इस चरण में कुल 623 प्रत्याशी हैं। सबसे ज्यादा मथुरा में 15 प्रत्याशी हैं। दस फरवरी को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। 58 सीटों पर मतदान होना है। वहीं केन्द्रीय चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश सहित पांचों राज्यों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए इस बार इन पांचों राज्यों की चुनाव मशीनरी को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिये हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश ने जारी किया घोषणा पत्र

300 यूनिट मुफ्त बिजली और सभी फसलों पर एमएसपी का वादा

- 12वीं पास सभी छात्रों को लैपटॉप देने की भी घोषणा
- सरकार बनने पर बहाल की जाएगी पुरानी पेंशन व्यवस्था
- सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश मुख्यालय में अपनी पार्टी के वचन पत्र और बाइस के 22 संकल्प को जारी किया। अखिलेश यादव ने इसमें वर्ष 2027 तक के अपनी पार्टी के लक्ष्य को शामिल किया है। घोषणा पत्र में तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त और सभी फसलों पर एमएसपी देने समेत कई वादे जनता से किए गए हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बाइस में बाइसिकल की सरकार बनाने के लिए मंगलवार को 22 संकल्प लिए। इसमें किसानों, युवाओं व महिलाओं समेत सभी वर्गों को लुभाने का प्रयास किया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सभी फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रदान किया जाएगा। गन्ना किसानों को 15 दिन के अंदर भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए एक कोष तैयार किया जाएगा। सभी किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली, ब्याज मुक्त कर्ज के साथ बीमा और पेंशन की व्यवस्था की जाएगी। सभी घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा अखिलेश ने फिर दोहराई। किसानों को चार साल के भीतर यानी 2025 तक कर्ज मुक्त बनाया जाएगा।

शहरी रोजगार गारंटी कानून

अखिलेश यादव ने कहा कि मनरेगा की तर्ज पर शहरी रोजगार गारंटी कानून लाया जाएगा। सरकार बनने पर आईटी सेक्टर की समीक्षा कर उसे पुनर्जीवित और प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि यह सेक्टर विकास के इंजन के रूप में काम कर 22 लाख लोगों को रोजगार दे सके। इसके अलावा हर गांव-शहर में वाई-फाई सुविधा उपलब्ध करवाने की बात भी कही।

11 लाख सरकारी पदों पर भर्ती

अखिलेश ने कहा कि 11 लाख सरकारी पद रिक्त हैं। इन पदों पर सरकार बनने पर एक साल के अंदर भर्तियां की जाएंगी। 2027 तक राज्य में एक करोड़ रोजगार नौकरियों का सृजन एमएसएमई सेक्टर में होगा। इस सेक्टर को सरकार विकास के इंजन के रूप में बदलेगी।

पीजी तक लड़कियों को मुफ्त शिक्षा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लड़कियों की केजी से लेकर पीजी तक मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था का वादा किया है। उन्होंने कहा कि कन्या विद्याधन दोबारा शुरू किया जाएगा। इसके लिए 12वीं पास करने के उपरांत लड़कियों को 36 हजार रुपये एकमुश्त राशि दी जाएगी।

दस रुपये में समाजवादी थाली

सरकार बनने पर प्रदेश में समाजवादी कैंटीन की शुरुआत की जाएगी, जिसमें 10 रुपये में खाना दिया जाएगा। इसे समाजवादी थाली का नाम दिया गया है। समाजवादी कैंटीन व किसाना स्टोर स्थापित किए जाएंगे जहां गरीब, श्रमिकों, राजगीरों, बेघरों को सस्ते दरों पर राशन व अन्य जरूरी सामान मिल सकेगा।

पेंशन की व्यवस्था

किसान पेंशन, वृद्ध महिलाओं, पुरुषों व दिव्यांगजनों को 18000 रुपये वार्षिक पेंशन देने की व्यवस्था की जाएगी। किसान बीमा मुआवजे की राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाएगा।

अन्य वादे

- सभी मंडलों में खुलेंगे सैनिक स्कूल
- मंडलों में नर्सिंग व फार्मासिस्ट प्रशिक्षण संस्थान स्थापित होंगे।
- प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को दो साल की छूट, एडमिट कार्ड पर राज्य की बसों में फ्री यात्रा
- 1890 मजदूर पावर लाइन की होगी स्थापना। यह प्रवासी श्रमिकों, मजदूरों की समस्याओं का निदान करेगी।
- कारीगरों व श्रमिकों को 18 हजार रुपये सालाना की दर से पेंशन।
- स्टेट माइक्रो फाइनेंस बैंक की स्थापना।
- सभी गांव व शहरों में स्वच्छ पेयजल। प्रदूषण की समस्या के निवारण के लिए जिलेवार प्रबंधन।
- प्राथमिक स्तर पर सभी स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा।
- सभी जिलों में समाजवादी आवासीय माडल स्कूल।

बीपीएल परिवारों को प्रति वर्ष दो एलपीजी सिलेंडर मुफ्त और दोपहिया वाहन मालिकों को प्रति माह एक लीटर पेट्रोल व आटो रिक्शा चालकों को प्रति माह तीन लीटर पेट्रोल या छह किलो सीएनजी मुफ्त देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पेंशन के तहत महिलाओं, वृद्धों और दिव्यांगों को सालाना 18 हजार पेंशन दी जाएगी। 12वीं पास सभी छात्रों को लैपटॉप देने की भी घोषणा की गई। सरकार बनने पर पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल की जाएगी। महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

किसानों की आय दोगुनी करने का वादा निकला झूठा: जयंत

- रालोद प्रमुख ने भाजपा पर जमकर साधा निशाना
- गन्ना भुगतान न करने वाले चीनी मिल मालिकों पर चलेगा डंडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हापुड़। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने गढ़मुक्तेश्वर विधान सभा क्षेत्र के गांव सिखैड़ा में आयोजित एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जेवर में एयरपोर्ट के लिए

किसानों से जमीन तो ले ली लेकिन कुछ किसानों का अभी भी पुनर्स्थापन नहीं किया गया है। प्रदेश में आज जमीनी विकास की जरूरत है। छोटे-कुटीर उद्योगों को बढ़ाया जाए, जिससे गांवों का विकास हो। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों की आय 2022 में दोगुनी करने का वादा किया था। वह वादा झूठा था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दावा किया कि अमृत महोत्सव में देश के सभी गरीबों को मकान मिल जाएगा, लेकिन नहीं मिले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के गरीबों के साथ क्रूर व्यवहार रहे हैं। अपमानित कर रहे हैं। कोरोना काल में गरीबों का किसानों ने सहयोग किया। सरकार ने लॉकडाउन लगाया लेकिन कोई मदद नहीं की। लोगों को पैदल घर लौटने को मजबूर कर दिया। गठबंधन की सरकार आती है तो गन्ना भुगतान न करने वाली चीनी मिलों के मालिकों पर डंडा चलेगा।

भाजपा सरकार के दोनों इंजन हुए सीज: पायलट

- उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनने का किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मंगलौर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने झबरेड़ा और मंगलौर विधान सभा में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार फेल हो चुकी है। उनके दोनों इंजन सीज हो चुके हैं। इस बार उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनेगी और जनता को सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा देश को बांटने का काम कर रही है। रोजगार के नाम

पर केंद्र और भाजपा की प्रदेश सरकारों के पास कोई नीति नहीं है अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए जाति और धर्म का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा कि देशभर में भाजपा के खिलाफ माहौल तैयार हो रहा है जिसमें बड़ी संख्या में किसान भी शामिल हैं जो भाजपा को सबक सिखाने का काम करेंगे।

एक मौका दो, फिर नहीं दिखेगी भाजपा-कांग्रेस: केजरीवाल

- उत्तराखंड के गांवों तक पहुंचाएंगे स्वास्थ्य सेवाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरिद्वार। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा और कांग्रेस के वोटरों और सपोर्टरों से उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि वह भाजपा-कांग्रेस छोड़कर किसी से आप पार्टी में शामिल होने नहीं बल्कि उत्तराखंड के खातिर एक मौका देने की अपील कर रहे हैं। आप पार्टी को एक मौका मिला तो फिर पांच साल बाद भाजपा और कांग्रेस कहीं नहीं दिखेगी।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने 11 और कांग्रेस ने 10 साल बारी-बारी से उत्तराखंड में राज किया है। उनके वोटरों और सपोर्टरों को क्या

मिला। जनता को इन सालों से क्या मिला। दोनों ही पार्टियों ने वोटरों और सपोर्टरों के परिवारों के लिए कुछ नहीं किया। बच्चों की शिक्षा से लेकर नौकरी के लिए कोई काम नहीं किया। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं किया। ऐसे में भाजपा-कांग्रेस को वोट देने से क्या फायदा। केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के लिए एक मौका मांगा। चुनाव आते रहेंगे। लेकिन इस बार आप पार्टी को एक मौका मिलेगा तो वह उत्तराखंड का नवनिर्माण कर भाजपा-कांग्रेस के वोटरों और सपोर्टरों की सोच बदल देंगे। आप पार्टी उत्तराखंड में नई जरूर है लेकिन पार्टी के पास नए चेहरे हैं। नई सोच है। नया सीएम चेहरा है। नए आइडिया और एजेंडा है। उत्तराखंड में गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुचाएंगे। अस्पताल खोलेंगे। रोजगार देंगे। भाजपा ने तो पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदल दिए। आप पार्टी पांच साल में पिछला कर्जा खत्म कर देंगे और आधुनिक सुविधाएं भी देगी। सेवानिवृत्त कर्नल अजय कोठियाल ने गैरसैंण स्थायी राजनीति के मुद्दे पर कहा कि उनके पास पूरा प्लान है। गैरसैंण कुमाऊं और गढ़वाल के बीच में है। स्थायी राजधानी के लिए उस क्षेत्र की मैपिंग की जाएगी। कौन से विभाग जाएंगे, इसका खाका तैयार किया जाएगा। गैरसैंण को मॉडल राजधानी बनाएंगे। किसानों के साथ मिलकर नीति बनाएंगे।

उत्तराखंड में भाजपा-कांग्रेस के नए चेहरे और आप की एंट्री से कड़े मुकाबले के आसार

» मतदाता पार्टी, प्रत्याशी और प्रत्याशियों के वादों पर कर रहा विचार

» रणनीति अपनाते हुए अपनी जीत पक्की करने में लगे हुए हैं प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में विधान सभा चुनाव का महासंग्राम जारी है। सभी प्रत्याशी शाम, दाम, दंड और भेद की रणनीति अपनाते हुए अपनी जीत पक्की करने में लगे हैं। कोई गारंटी देकर वोटरों को साधने का प्रयास कर रहा है तो कोई क्षेत्र को गुंडाराज से मुक्ति दिलाने के नाम पर वोट मांग रहा है। कोई विकास के नाम पर भी खुद को जिताने की अपील जनता से कर रहा है। गली-मोहल्लों में लग रहीं चुनावी चौपालों पर नजर डालने से पता चलता है कि फिलहाल मतदाता पार्टी, प्रत्याशी और प्रत्याशियों के वादों पर विचार कर रहा है।

जनता फिलहाल अपनी चुप्पी तोड़ने के मूड में नहीं लगती है। ऐसे में मुकाबला त्रिकोणीय बना हुआ है। 20 साल से हरभजन सिंह चीमा काशीपुर से चुनाव जीतते आ रहे हैं। एक बार को छोड़कर हर बार हमेशा मुकाबला सीधा रहा है। भाजपा और कांग्रेस में टक्कर होती रही है। 2017 के चुनाव में भी भाजपा और कांग्रेस में मुकाबला हुआ था। इस बार अकाली के भाजपा से अलग होने के बाद कहा जा रहा था कि शायद हरभजन सिंह चीमा चुनाव नहीं लड़ेंगे।

काशीपुर के प्रमुख मुद्दे

जिला बनना, द्रोण सागर का जीर्णोद्धार, नए उद्योगों की स्थापना, काशीपुर को शिक्षा का हब बनाया जाना, एस्कॉर्ट फॉर्म का विकास करना काशीपुर के प्रमुख मुद्दे हैं। यहां कुल मतदाता 175420 हैं। इनमें 90722 पुरुष मतदाता और 84690 महिला मतदाता हैं।

"हमारी जीत सुनिश्चित है। भाजपा का कैडर वोट हमारे साथ है। हम लगातार जीत की ओर बढ़ रहे हैं। कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है, जिससे यह स्पष्ट है कि जीत हमारी होगी।
-त्रिलोक सिंह चीमा
प्रत्याशी भाजपा

"हमारा मुकाबला सभी प्रत्याशियों से है। पदाधिकारी और कार्यकर्ता लगातार चुनाव प्रचार में लगे हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाएगी। हम सफल होंगे। चुनाव के नतीजे हमारे पक्ष में रहेंगे।
-नरेंद्र चंद्र सिंह
प्रत्याशी कांग्रेस

"मैं अपना मुकाबला किसी से नहीं मानता। मेरी जीत सुनिश्चित है। काशीपुर क्षेत्र की जनता ने 20 सालों तक जो अपेक्षा है। उसके चलते आज वह मेरे साथ खड़ी है। आज घर-घर में दीपक बाली है।
-दीपक बाली
प्रत्याशी आम आदमी पार्टी

समीकरण गड़बड़ाता देख बेटे को आगे बढ़ाया

समीकरण गड़बड़ाता देख चीमा ने खुद के बजाय अपने बेटे त्रिलोक सिंह चीमा को आगे बढ़ाया। त्रिलोक के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा से टिकट पाना था क्योंकि तब भाजपा में टिकट के नौ दावेदार हो गए थे। अंत में टिकट त्रिलोक को दिया गया। हरभजन सिंह चीमा का गणित यहां तक ठीक था लेकिन गणित तब लड़खड़ाया जब एक होटल में बैठक के दौरान 70 से ज्यादा भाजपाइयों ने सामूहिक इस्तीफे पर हस्ताक्षर कर दिए। भाजपा का संगठन त्रिलोक के खिलाफ खड़ा हो गया। इसके बाद

» त्रिलोक के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा से टिकट पाना था

चर्चा होने लगी कि भाजपा प्रत्याशी की राह इस बार आसान नहीं होगी। वहीं अब तक के चुनावों की अपेक्षा डगर इस बार ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। कांग्रेस ने बगावत साधने के लिए पूर्व सांसद केसी सिंह बाबा के बेटे नरेंद्र चंद सिंह को टिकट देकर पार्टी में बगावत होने से रोक ली। आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी दीपक बाली शुरू से खुद को जनता का सेवक बताते रहे हैं।

यूपी चुनाव की सियासी बिसात पर सवर्ण सभी दलों की नजर

» किसी भी चुनाव का रुख मोड़ने का रखते हैं माद्दा

» खामोशी से चुनावी माहौल का कर रहे आंकलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव अपने चरम पर पहुंच चुका है। कल मतदान होना है। चुनावी रण में जहां तमाम जातियों का शोर और ध्रुवीकरण का जोर चल रहा है, वहीं सवर्ण खामोशी से चुनाव का आंकलन कर रहे हैं। सवर्ण जातियां किसी भी उम्मीदवार या पार्टी का खेल बनाने और बिगाड़ने का माद्दा रखती हैं। कई चुनावों में इन जातियों ने किंग मेकर की भूमिका निभाई है। यही वजह है कि विभिन्न दल इन जातियों पर नजर बनाए हुए हैं।

उत्तर प्रदेश की बात करें तो सवर्ण मतदाताओं की आबादी 26 फीसदी से ज्यादा है। इनमें सबसे ज्यादा 11 फीसदी से अधिक ब्राह्मण वोटर हैं। 9 फीसदी से क्षत्रिय मतदाता हैं। वैश्य मतदाता 6 प्रतिशत से अधिक और कायस्थ करीब 2 फीसदी हैं। शहरी सीटों पर वैश्य मतदाताओं की मौजूदगी ज्यादा है। ग्रामीण परिवेश में ब्राह्मण, क्षत्रिय, त्यागी, कायस्थ आदि मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। पश्चिमी यूपी के चुनावी समीकरण को को देखें तो दलों ने जिस तरह से सवर्ण प्रत्याशी उतारे हैं उससे इनकी अहमियत साफ हो जाती है। मेरठ शहर सीट पर भाजपा ने इस बार ब्राह्मण पर दांव खेला है तो कांग्रेस ने भी ब्राह्मण को यहां से उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर पहले भी भाजपा की ओर से बड़ा चेहरा डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी चुनाव लड़ते रहे हैं। सरधना सीट पर इस बार तगड़ा मुकाबला है। भाजपा ने मौजूदा विधायक संगीत सोम को ही चुनावी मैदान में उतारा है। बसपा ने कई सीटों पर इसी तरह का दांव चला है। मेरठ की कैंट और बागपत की बड़ौत सीट पर ब्राह्मण उम्मीदवार को उतारा गया है।

धौलाना सीट पर भी भाजपा ने ठाकुर पर दांव लगाया है। साहिबाबाद से तो भाजपा और रालोद-सपा गठबंधन यानी दोनों ने ही ब्राह्मण पर दांव खेला है। मोदीनगर सीट पर भी बसपा, गठबंधन और भाजपा तीनों का सवर्णों पर दांव है। कौल, अनूपशहर आदि सीटों पर भी भाजपा ने यही फॉर्मूला इस्तेमाल किया है। 1990 से पहले उत्तर प्रदेश की सत्ता पर ब्राह्मण और क्षत्रियों का खासा दबदबा रहा है। प्रदेश में कुल आठ ब्राह्मण मुख्यमंत्री और पांच बार ठाकुर मुख्यमंत्री बने। पिछले चुनावों की बात करें तो भाजपा ने इस वर्ग में सबसे तगड़ी सेंध लगाई है।

पिछले चुनाव में थे भाजपा के साथ

विधान सभा चुनाव 2017 की बात करें तो ज्यादातर सवर्ण जातियां भाजपा के साथ नजर आई थीं। यही कारण रहा कि इस बार जिन 11 जिलों की 58 सीटों पर पहले चरण में चुनाव हो रहा है, उनमें से 53 पर भगवा परचम फहराया था। भाजपा ने इस बार सवर्णों को साधने के लिए पहले दो चरणों की पहली सूची में ही 10 ब्राह्मणों और 18 ठाकुरों को टिकट देकर उन्हें खुश करने की कोशिश की।

बसपा और सपा भी कर रही प्रयास

बसपा और सपा सवर्णों को रिझाने के लिए भरपूर कोशिश कर रही हैं। खास तौर पर बसपा तो वर्ष 2007 के चुनाव में सवर्णों के दम पर ही सत्ता के शिखर तक पहुंची। सोशल इंजीनियरिंग के उसी फॉर्मूले को इस बार भी बसपा आजमाना चाह रही है। सपा ने भी भगवान परशुराम की मूर्ति के बहाने सवर्णों में खास तौर से ब्राह्मणों को लुभाने की कोशिश की है।

इन जिलों में काफी है संख्या

प्रदेश में गाजियाबाद, हमीरपुर, गौतमबुद्धनगर, प्रतापगढ़, बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, फतेहपुर, बलरामपुर, गोंडा ठाकुरों की मौजूदगी अच्छी खासी है। वहीं, ब्राह्मणों की जिन जिलों में अच्छी खासी संख्या है, उनकी संख्या 24 से ज्यादा है। शामली, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली, बागपत, आगरा, अमरोहा, गौतमबुद्धनगर सहित कई जिलों में सवर्णों की तादाद काफी है। पहले चरण के चुनाव की बात करें तो सवर्ण इन सीटों पर किसी का भी परिणाम बदल सकते हैं।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पटरी पर लौटती जिंदगी के मायने

कोरोना ने पूरी दुनिया को बदल दिया है। लोगों को पाबंदियों और छूट के बीच जिंदगी जीने की आदत डालनी पड़ी। भारत में तीसरी लहर के बीच कई पाबंदियां लगायी गयीं। अब अधिकांश राज्य सरकारों ने इसमें छूट देनी शुरू कर दी है। बाजार में भी रौनक दिखने लगी है। सबसे राहत की बात यह है कि आर्थिक गतिविधियों के बाद अब कक्षा नौ और इससे ऊपर की कक्षाओं के स्कूल-कॉलेज खोल दिए गए हैं।

कोरोना ने पूरी दुनिया को बदल दिया है। लोगों को पाबंदियों और छूट के बीच जिंदगी जीने की आदत डालनी पड़ी। भारत में तीसरी लहर के बीच कई पाबंदियां लगायी गयीं। अब अधिकांश राज्य सरकारों ने इसमें छूट देनी शुरू कर दी है। बाजार में भी रौनक दिखने लगी है। सबसे राहत की बात यह है कि आर्थिक गतिविधियों के बाद अब कक्षा नौ और इससे ऊपर की कक्षाओं के स्कूल-कॉलेज खोल दिए गए हैं। कॉलेज छात्रों से फिर गुलजार होने लगे हैं। ऑनलाइन पढ़ाई की जगह ऑफलाइन पढ़ाई से शिक्षक से लेकर अभिभावकों तक को राहत दी है। सवाल यह है कि कोरोना की तीसरी लहर के बावजूद स्कूल-कॉलेज क्यों खोले गए? क्या वैक्सीनेशन ने हालात को नियंत्रित कर दिया है? क्या संक्रमण का खतरा टल गया है? क्या रोजी-रोजगार के संकट का सामना अब नहीं करना होगा? क्या अब पहले की तरह जिंदगी पटरी पर आ जाएगी? क्या कोरोना प्रोटोकॉल के बीच ही अब देश के लोगों को जिंदगी जीने की आदत डालनी होगी?

देश में कोरोना की तीसरी लहर ढलान पर है। यह पिछली लहर के मुताबिक घातक नहीं है। यही वजह है कि जिस तेजी से संक्रमण शुरू हुआ था उतनी ही तेजी से यह कम हो रहा है। अधिकांश संक्रमित लोगों को अस्पतालों की जरूरत नहीं पड़ी। मौतों का आंकड़ा भी काफी कम रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक इसकी दो प्रमुख वजहें हैं। पहला देश के अधिकांश वयस्कों को वैक्सीन की पहली डोज लग जाना और दूसरा संक्रमण का कम घातक होना है। तीसरी लहर के लिए जिम्मेदार ओमिक्रॉन वायरस डेल्टा से कम घातक रहा है। वहीं लगभग 48 फीसदी लोगों का संपूर्ण वैक्सीनेशन हो चुका है। लिहाजा राज्य सरकारों ने पहले आर्थिक गतिविधियों से प्रतिबंध हटाए और अब स्कूलों को खोल दिया है। इससे अब छात्र न केवल पहले की तरह ऑफलाइन शिक्षा ग्रहण कर पाएंगे बल्कि शारीरिक और सामाजिक गतिविधियों में भाग भी ले पाएंगे। इससे उनका संपूर्ण विकास हो सकेगा। इसके अलावा ऑनलाइन शिक्षा के दौरान जिन गरीब परिवारों से जुड़े बच्चों की पढ़ाई बाधित हुई थी, वे भी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। स्कूल-कॉलेज के खुलने से ऑनलाइन शिक्षा के दौरान घरों में बंद छात्रों में उत्पन्न निराशा और एकाकीपन भी दूर होगा। रोजी-रोजगार का संकट भी कम होगा। बाजार में आर्थिक गतिविधियां संचालित होने से रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। बावजूद इसके सतर्कता अभी भी जरूरी है क्योंकि कोरोना महामारी अभी खत्म नहीं हुई है और एक नया वेरिएंट सभी को एक बार फिर घरों में बंद कर देश की अर्थव्यवस्था और गतिविधियों को ठप कर सकता हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रुके राजनीति का अपराधीकरण

आशुतोष चतुर्वेदी

संसद और विधान सभाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार स्तंभ हैं। संविधान निर्माताओं की परिकल्पना थी कि इन संस्थाओं से कानून बनेंगे और उनके द्वारा जनता की अपेक्षाएं पूरी की जायेंगी। सदन सार्थक चर्चा और जन समस्याओं के निराकरण का मंच भी है। संविधान निर्माताओं ने उम्मीद की थी कि जनप्रतिनिधि शुचिता और आचरण में आदर्श नागरिक होंगे। वे सदन की गरिमा बनाये रखेंगे और देश व समाज हित के मुद्दों को उठायेंगे लेकिन ऐसा देखने में नहीं आ रहा है। सदन में अमर्यादित आचरण और शब्दों का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बावजूद बाहुबलियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बाहर नहीं रखा जा सका है। हाल में देश की सर्वोच्च अदालत में पेश एक रिपोर्ट में कहा गया कि संसद और विधानसभाओं में दागी सदस्यों की संख्या बढ़ती जा रही है। कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के खिलाफ कुल 4,984 मामले लंबित हैं, जिनमें 1,899 मामले पांच वर्ष से अधिक पुराने हैं। दिसंबर, 2018 में लंबित मामलों की कुल संख्या 4110 थी, जो अक्टूबर, 2020 में बढ़कर 4859 हो गयी। दिसंबर, 2018 के बाद 2775 मामलों के निष्पादन के बावजूद सांसदों एवं विधायकों के खिलाफ मामले बढ़ गये हैं। कुछ मामले तीन दशक से अधिक समय से लंबित हैं। मौजूदा विधायकों के खिलाफ 2,324 मामले हैं और 1,675 मामले पूर्व विधायकों के खिलाफ हैं। 1,991 मामलों में तो आरोप भी तय नहीं किये जा सके हैं। उत्तर प्रदेश में एक दिसंबर, 2021 तक 1,339 मामले लंबित थे जबकि दिसंबर, 2018 में यहां से 992 मामले लंबित थे और अक्टूबर, 2020 में इनकी संख्या 1,374 थी। अक्टूबर, 2020 और एक दिसंबर, 2021 के बीच कुछ मामलों का निपटारा हुआ है। चार दिसंबर, 2018 से यूपी के 435 मामलों का निपटारा किया गया, जिसमें सत्र न्यायालय द्वारा 364 और मजिस्ट्रेटों द्वारा 71 मामलों का निपटारा किया गया है। बिहार में दिसंबर, 2018 में 304 मामले लंबित थे, जो अक्टूबर, 2020 में 557 और दिसंबर, 2021 में 571 हो गये। कुल 571 में से 341 मामले मजिस्ट्रेट अदालतों में और 68 मामले सत्र न्यायाधीशों के समक्ष लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ऐसे मामलों की तेज सुनवाई के लिए विशेष अदालतों के गठन का निर्देश दिया था। केंद्र सरकार से जांच में देरी के कारणों की जांच के लिए एक निगरानी समिति बनाने को भी कहा गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि आपराधिक पृष्ठभूमि के अनेक लोग सदनों में पहुंच रहे हैं। यह बेहद जरूरी है कि इस संबंध में तत्काल कड़े कदम उठाये जाएं। इनमें लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण करना सबसे महत्वपूर्ण है।

उच्च न्यायालयों द्वारा दाखिल स्थिति रिपोर्ट से भी स्पष्ट है कि कुछ राज्यों में विशेष अदालतें गठित हुई हैं जबकि अन्य में संबद्ध क्षेत्राधिकार की अदालतें समय-समय पर जारी निर्देशों के तहत सुनवाई कर रही हैं। विशेष क्षेत्राधिकार वाली ये अदालतें सांसदों व विधायकों के खिलाफ मामलों की सुनवाई के साथ अन्य दायित्वों का भी निर्वहन कर रही हैं। कई राज्यों में ये अदालतें अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति अधिनियम, पोक्सो अधिनियम आदि जैसे विभिन्न विधानों के तहत मामलों की सुनवाई भी कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच में देरी के कारणों का मूल्यांकन करने के लिए एक निगरानी समिति के गठन के संबंध में पिछले साल अगस्त में अदालत के आदेश के बाद भी इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने एक हालिया लेख में कहा है कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की शुचिता व और स्वच्छता पर खतरा लगातार गहराता जा रहा है। उनका कहना था कि कभी सार्वजनिक जीवन में बेदाग लोगों की वकालत की जाती थी, लेकिन अब यह आम धारणा है कि राजनेता और अपराधी एक-दूसरे के पर्याय हो चले हैं। जानी-मानी संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने यूपी विधानसभा चुनाव 2022 के पहले चरण में चुनाव लड़नेवाले 623 में से 615 उम्मीदवारों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया है। राज्य के 58 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे इन 615 उम्मीदवारों में से 156 ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये हैं। इसका अर्थ है कि 20 फीसदी उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले चल रहे हैं। इनमें से 12 लोगों पर महिलाओं से संबंधित आपराधिक मामले चल रहे हैं। एक उम्मीदवार पर बलात्कार का मामला भी है। हत्या से संबंधित मामले घोषित करनेवाले छह उम्मीदवार हैं। हत्या के प्रयास से संबंधित मामले घोषित करने वाले उम्मीदवार 30 हैं। यह सब लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। राजनीतिक दलों को इस पर विचार करने की जरूरत है।

कृषि को सहकारिता से जोड़ें

अशोक भगत

सहकार और सहकारिता भारतीय आदि सनातन संस्कृति का अंग रहा है। इस शब्द का उपयोग सभी युगों में देखने को मिलता है। मुंडारी की एक कहावत है, 'सेनगी सुसुन, काजी गे दुरंग' अर्थात जहां चलना ही नृत्य है और बोलना ही गीत है। चलना और गाना कभी भी एकल नहीं हो सकते इसलिए आदि संस्कृति का अंग सहकार और सामूहिकता है। आदिवासी समाज में सहिया और मितान की परंपरा पुरानी है। अथर्ववेद का एक मंत्र है- 'भद्रं इच्छंत ऋषय: स्वर्विंद: तपो दीक्षां उपसेदु: अग्ने / ततो राष्ट्रं बलें ओजश्च जातम् / तदस्मै देवा उपसं नमन्तु' अर्थात 'आत्मज्ञानी ऋषियों ने जगत कल्याण की इच्छा से सृष्टि के प्रारंभ में जो दीक्षा लेकर तप किया, उससे राष्ट्र का निर्माण हुआ इसलिए सब विबुध इस राष्ट्र के सामने नम्र होकर उसकी सेवा करें।' यहां हमें सहकार और सामूहिकता का स्वरूप देखने को मिलता है।

एक अन्य वैदिक मंत्र है- संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्/ देवा भागं यथा पूर्वे सजानाना उपासते।' इसका भावार्थ है- 'हम सब सदैव एक साथ चलें, हम सब सदैव एक साथ बोलें, हम सभी का मन एक जैसा हो। हमारे विचार समान हों, हम मिलकर रहें। हम सभी ज्ञानी बनें, विद्वान बनें। जिस प्रकार हमारे पूर्वज अपनी धन-संपदा आपसी सहमति और परस्पर समानता के आधार पर वितरित करते थे, उसी तरह हम आचरण करें।' ऐसे कई मंत्र, लोकोक्तियां हमारे सनातन समाज व ग्रंथों में संकलित हैं। जैन तीर्थंकर भगवान महावीर सहकार को जीवन का आधार बताते हैं इसलिए सहकार भारत की सार्वभौम संस्कृति का अंग है। आधुनिक भारत में सहकारी आंदोलन का इतिहास 1901 के बाद देखने को मिलता है। एडवर्ड लॉ की अध्यक्षता में सहकारी समितियों के गठन की संभावना और सफलता पर रिपोर्ट के लिए एक समिति स्थापित की गयी थी। उस रिपोर्ट के आधार पर 1904 में सहकारी साख अधिनियम पारित हुआ। तभी से सहकारी आंदोलन का प्रारंभ हुआ। पूंजीवादी और समाजवादी दोनों प्रकार के देशों में सहकारी समितियों ने विशेष स्थान बना कर देश की उन्नति में भूमिका निभायी है। वैसे सहकारी शब्द का अर्थ होता है साथ मिलकर कार्य करना। इसका तात्पर्य हुआ कि जो लोग समान आर्थिक उद्देश्य के लिए मिलकर काम करना चाहते हैं, वे समिति बना सकते हैं। इसे 'सहकारी समिति' कहते हैं। यह अपनी सहायता स्वयं और परस्पर सहायता के सिद्धांत पर कार्य करती है। सहकारी समिति में कोई भी सदस्य व्यक्तिगत लाभ के लिए कार्य नहीं करता है। सभी सदस्य अपने संसाधनों को एकत्र कर उनका अधिकतम उपयोग कर कुछ लाभ प्राप्त करते हैं, जिसे वे आपस में बांट लेते हैं। उदाहरणार्थ एक विशेष बस्ती के विद्यार्थी विभिन्न कक्षाओं की पुस्तकें उपलब्ध कराने हेतु एकत्र होकर एक सहकारी समिति बनाते हैं। अब वे सीधे प्रकाशकों से पुस्तकें क्रय करके विद्यार्थियों को सस्ते दामों पर बेचते हैं क्योंकि इस प्रक्रिया में मध्यस्थों के लाभ का उन्मूलन होता है। किसान के उत्पादन को सही मूल्य दिलाने के लिए बाजार को बिचौलियों से मुक्त कराने की आवश्यकता सदा से महसूस की जाती रही है।

भारत के आर्थिक फलक के कई क्षेत्रों में सहकारिता का प्रयोग लंबे समय से चल रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पहली बार कृषि को इस मुहिम का हिस्सा बनाया है। हाल ही में भारत सरकार ने किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाने के लिए प्रोत्साहित करने की योजना बनायी है, जिसका जिम्मा सांसदों को भी दिया है। इस प्रोजेक्ट पर अगले पांच साल में पांच हजार करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है। इसका पंजीकरण कंपनी एक्ट में ही कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए किसानों को एक कंपनी यानी किसान उत्पादक संगठन बनाना होगा। सरकार ने 10 हजार नये किसान उत्पादक संगठन बनाने की मंजूरी दी है। एफपीओ में वे सारे फायदे किसानों को मिलेंगे, जो एक उद्योग को मिलता है।

किसानों के बीच सहकारिता के इस नये आयाम को समझना जरूरी है। किसान उत्पादक संगठन किसानों का एक समूह होगा, जो कृषि उत्पादन कार्य में लगा हो और कृषि से जुड़ी व्यावसायिक गतिविधियां चलायेगा। एक समूह बनाकर आप कंपनी एक्ट में रजिस्टर्ड करवा सकते हैं। एफपीओ लघु व सीमांत किसानों का एक समूह होगा, जिससे उससे जुड़े किसानों को न सिर्फ अपनी उपज का बाजार मिलेगा बल्कि खाद, बीज, दवाइयां और कृषि उपकरण आदि खरीदना आसान होगा। सेवाएं सस्ती मिलेंगी और बिचौलियों के मकड़जाल से मुक्ति मिलेगी अगर अकेला किसान अपनी पैदावार बेचने जाता है तो उसका मुनाफा बिचौलियों को मिलता है। एफपीओ सिस्टम में किसान को उपज के अच्छे भाव मिलते हैं क्योंकि यहां बिचौलिये नहीं होंगे। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक, ये 10 हजार नये एफपीओ 2019-20 से 2023-24 तक बनाये जायेंगे। इससे किसानों की सामूहिक शक्ति बढ़ेगी। उत्पादक समूह और उपभोक्ताओं के बीच बिचौलियों की भूमिका सीमित करने में सहकारी समूहों की उपयोगिता महत्वपूर्ण है। किसान को लागत के साथ लाभ का वास्तविक हिस्सा प्राप्त हो, इसके लिए सहकारिता समूहों को विकल्प के रूप में नहीं, वास्तविक रुप में अपनाना चाहिए।

दूध का करें इस्तेमाल रेशमी और चमकदार होंगे बाल

फेस पैक हो या फिर स्क्रब इन सभी में दूध का इस्तेमाल आसानी से किया जा सकता है। बता दें कि दूध में मौजूद पोषक तत्व त्वचा को ग्लोइंग और हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं। हालांकि क्या आपको पता है कि त्वचा के साथ-साथ यह बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। यह बालों को सिल्की और शाइनी बनाने में चमत्कारी तरीके से काम करता है। इसके सही इस्तेमाल से बालों में एक अलग ही रौनक देखने को मिलती है। बता दें कि बालों की देखभाल के लिए कई महिलाएं नेचुरल तरीका ही आजमाना पसंद करती हैं, क्योंकि यह बिना खर्च और साइड इफेक्ट के उन्हें खूबसूरत बनाने में मदद करता हैं। नेचुरल इंग्रेडिएंट्स में दूध से बेहतर कुछ नहीं। कई लोग हेयर वॉश करने से पहले बालों में दूध का इस्तेमाल करते हैं। यह बेस्ट कंडीशनर होने के साथ-साथ स्कैल्प की स्किन को भी लंबे समय तक मॉइश्चराइज रखता है। बालों में दूध इस्तेमाल करने के कई तरीके हैं, जिसे आप अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल कर बालों को नेचुरली हेल्दी बनाए रख सकते हैं। वहीं आज हम बताएंगे कुछ आसान से तरीके, जिसे आप भी ट्राई कर सकते हैं।

ऐसे इस्तेमाल करें दूध

बालों में दूध लगाने के बाद उसे पूरी तरह सुखाएं नहीं। ऐसा करने से कई बार परेशानी बढ़ भी सकती हैं। अगर आप सिल्की और शाइनी बाल चाहती हैं तो दूध में नारियल तेल को मिक्स कर लगा सकती हैं। ये ट्रिक आसान होने के साथ-साथ फायदेमंद भी साबित होगी। इन दोनों चीजों को मिक्स कर अपने स्कैल्प और बाल दोनों पर लगाएं और 1 घंटे के बाद हेयर वॉश कर लें। हेयर वॉश के बाद आपको बालों में काफी फर्क देखने को मिलेगा।

कच्चे दूध से करें बालों में चंपी

चंपी के लिए ऑयल बेस्ट माना जाता है। हालांकि कई लोग तेल के अलावा भी अन्य तरीके आजमाते रहते हैं। जैसे-घी, हर्बल ऑयल आदि, लेकिन इन सब के अलावा ठंडा कच्चा दूध भी बेहद फायदेमंद होता है। ध्यान रखें कि अगर आपका स्कैल्प हेल्दी है, तो बाल अपने आप स्ट्रांग रहेंगे। इसे इस्तेमाल करने से पहले एक स्प्रे बॉटल में हाफ कच्चा दूध और हाफ पानी मिक्स कर लें। अब इसे अपने स्कैल्प पर स्प्रे करें। हर जगह इसे स्प्रे करने के बाद अपनी उंगलियों से अच्छी तरह मसाज करें। 30 से 45 मिनट तक इसे ऐसे ही छोड़ दें और शैंपू से हेयर वॉश कर लें।

ड्राई बालों के लिए हेयर मास्क

डीप कंडीशनिंग के लिए हेयर मास्क बेस्ट माना जाता है। हालांकि, हेयर मास्क बालों की जरूरत के अनुसार बनाएं तो फायदा दोगुना देखने को मिल सकता है। ड्राई बालों की समस्या से परेशान हैं तो आप दूध और केला मिक्स कर हेयर पैक तैयार कर सकते हैं। अब इसे अपने बालों की जड़ों से लेकर नीचे तक लगाएं। 30 से 45 मिनट तक के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर माइल्ड शैंपू से हेयर वॉश कर लें। 2 से 3 बार ट्राई करने के बाद बालों में काफी फर्क देखने को मिलेगा।

टूटते और झड़ते बालों के लिए हेयर पैक

मेथी दाना बालों के लिए बेस्ट इंग्रेडिएंट माना जाता है। यह बालों को मजबूत बनाने के साथ-साथ उन्हें पोषण देने में भी मदद करता है। ऐसे में आप हेयर पैक बनाने के लिए 1 या फिर 2 चम्मच मेथी दाने को पानी में सोक होने के लिए रख दें। जब यह फूल जाए तो इसमें आधा कप ठंडा दूध मिक्स कर पेस्ट बना लें। अब इसे अपने बालों में लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। 30 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से हेयर वॉश कर लें। झड़ते और टूटते बालों से परेशान हैं, तो इस हेयर पैक को हफ्ते में एक बार जरूर ट्राई करें।

हंसना मना है

गर्लफ्रेंड ने एंबुलेंस बुलाने के लिए कॉल किया... ऑपरेटर: आपको क्या समस्या है? गर्लफ्रेंड: मेरे पैर की ऊंगली कॉफी टेबल से टकरा गई है। ऑपरेटर: और इसके लिए आप एंबुलेंस बुलाना चाहती हैं? गर्लफ्रेंड: नहीं, एंबुलेंस तो मेरे बॉयफ्रेंड के लिए है, उन्हें हंसना नहीं चाहिए था।

पत्नी: बाजार से दूध का एक पैकेट ले आना! हां, अगर बाजार में अंडे दिखे तो छः ले आना। पति छः पैकेट दूध ले आया। पत्नी: छः पैकेट दूध? पति: हां छः पैकेट ही लाया हूं क्योंकि बाजार में अंडे दिख गए थे! अब बताओ पति कहां पर गलत है?

टीचर:10 नंबर के एक प्रश्न का जवाब दो स्टुडेंट: सर प्रश्न पूछो। टीचर: बताओ सबसे ज्यदा नकल कहां होती है..? स्टुडेंट: सर, व्हाट्स एप पर। टीचर: शाबाश, लो 10 में 10 नंबर

लड़का : क्या तुम मेरी सैलरी से गुजारा कर लोगी? लड़की: मैं तो कर लूंगी पर आपका क्या होगा?

सुबह-सुबह पत्नी नींद से उठते ही बोली: अजी सुनते हो? पति, बोलो! क्या हुआ? पत्नी: मुझे सपना आया कि आप मेरे लिए हीरों का हार लेकर आए हो। पति: ठीक है, तो वापिस सो जा और पहन ले।

कहानी — दुष्ट शेर

एक अय्यर ब्राह्मण घने वन से गुजर रहा था। तभी उसकी नजर पिंजरे पर पड़ी। पिंजरे में एक शेर बंद था। शेर ने ब्राह्मण से विनती की आप मुझे पिंजरे से निकाल दें। भूख-प्यास से मेरी जान जा रही है। मैं खा-पीकर पुनः पिंजरे में लौट आऊंगा। ब्राह्मण महाशय परेशान हो गए। यदि पिंजरा खोलते हैं तो शर उन्हें खा सकता है। यदि नहीं खोलते हैं तो बेचारा पशु मारा जाएगा। अंत में उनकी दयालुता की जीत हुई। उन्होंने पिंजरे का दरवाजा खोल दिया। शेर बाहर आते ही गरजकर बोला- 'मूर्ख मनुष्य, तूने गलती की है। उसकी सजा भुगत। मैं तुझे ही खाऊंगा।' ब्राह्मण भय के कारण थर-थर कांपने लगा। परंतु मन-ही-मन वह बचने का उपाय भी सोच रहा था। जैसे ही शेर ने झपट्टा मारने की कोशिश की, ब्राह्मण ने हिम्मत बटोरकर कांपते स्वर में कहा, खाने से पहले मुझको चार लोगों से सलाह लेनी हैं- यदि वे कहें कि यही न्याय है तो मैं स्वयं काटूंगा अपने गला। अब जंगल में और लोग कहां से आते? चार वन्य प्राणियों से राय लेने का निश्चय हुआ। एक बूढ़ा-सा ऊंट सामने से गुजरा तो उससे राय पूछी गई। वह मुंह बिचकाकर बोला-'अरे ये इंसान कहीं दया के योग्य होते हैं? मेरे मालिक को ही देखो, मैं जवान था तो खूब काम करता था। अब शरीर में ताकत नहीं है तो वह मुझे डंडों से मारता है।पास में ही बरगद का विशाल वृक्ष था। उसे भी अपने मन की भड़ास निकालने का अवसर मिल गया। लंबी बांहें फैलकर बोला- 'मनुष्य बहुत लोभी होता है। सूरज की तपती धूप से मैं इसकी रक्षा करता हूं। सारी दोपहर मेरी छांव में बिताकर यह शाम को मेरी टहनियां काटकर ले जाता है। मेरी राय में तो सभी मनुष्यों को जान से मार देना चाहिए।' यह उत्तर सुनकर ब्राह्मण की आंखों के आगे अंधेरा छाने लगा। इस बीच एक लंगड़ा गधा रेंकता हुआ उसी ओर आ रहा था। शेर ने उनसे भी प्रश्न किया। क्या वह ब्राह्मण को खा सकता है? गधेराम तो पहले से ही जले-भुने बैठे थे। शायद अभी पिटाई खाकर आ रहे थे। गुस्से से भरकर बोले-'देखो न, मैं दिन-भर मालिक का बोझा ढोता हूं। मैं उफ तक नहीं करता। जो भी रूखा-सूखा मिल जाता है, वह खुशी से खा लेता हूं पर आज कहकर वह रोने लगा।' शेर को गधे से क्या लेना-देना था? उसने अपना प्रश्न दुहराया, 'क्या ब्राह्मण को खा लूं?' गधे ने आंसू पोंछकर कहा- अवश्य मेरे मित्र, इसे बिल्कुल मत छोड़ना। इन मनुष्यों ने हमारी नाक में दम कर रखा है।' अब एक ही पशु की राय और लेनी थी। शेर की निगाहें तेजी से इधर-उधर दौड़ने लगीं। एक लोमड़ी वहीं खड़ी होकर सब कुछ देख रही थी। वह पास आई और बोली- फैसला तो मैं कर दूंगी पर पहले अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जाओ। मुझे तो विश्वास ही नहीं होता कि इतना बड़ा शेर पिंजरे में कैसे समा गया? शेर ने जोश में आकर छलांग लगाई और पिंजरे में जा पहुंचा। लोमड़ी ने झट से दरवाजा बंद कर दिया और ब्राह्मण से बोली, 'आप अपने घर जाएं और जंगली पशुओं से बचकर रहें। इस शेर की हरकतों से तंग आकर ही इसे बंद किया गया था। आगे से बिना सोचे-समझे कोई काम मत करना। ऐसा कहकर लोमड़ी जंगल में लौट गई। दुष्ट शेर ने पिंजरे में ही भूख-प्यास से दम तोड़ दिया। उसे उसके किए की सजा मिल गई थी।

8 अंतर खोजें

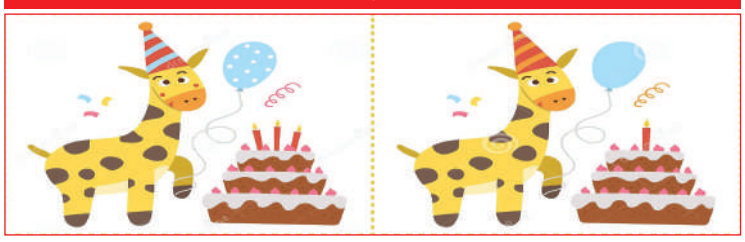

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — अपनी भावनाएं किसी पर ना थोपें। आज का दिन पार्टनर का सहयोग मिलेगी। पार्टनर के साथ विवाद भी हो सकता है और बाद में सब ठीक हो जाएगा।

वृषभ — अपनी भावनाएं किसी पर ना थोपें। आज का दिन पार्टनर का सहयोग मिलेगी। पार्टनर के साथ विवाद भी हो सकता है और बाद में सब ठीक हो जाएगा।

मिथुन — पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेगी। नई रिलेशनशिप शुरू करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

कर्क — पार्टनर की सेहत का ख्याल रखेंगे। कपड़े और खाने-पीने की चीजों पर पैसा अधिक खर्च होगा। पार्टनर के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे।

सिंह — पार्टनर को फायदा होगा। लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा। प्रेमी से कोई उपहार मिल सकता है। जो किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उनके लिए आज का दिन अनुकूल है।

कन्या — आपकी कोई बात पार्टनर को परेशान कर सकती है। अपनी वाणी पर संयम रखें। पति-पत्नी के बीच प्यार बना रहेगा। पार्टनर की ओर से सुख मिलेगा।

तुला — प्रेमी के साथ घूमने जा सकते हैं। अपने से ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की और आप आकर्षित भी हो सकते हैं। विवाह के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक — पति-पत्नि घूमने का प्लान बना सकते हैं। पति-पत्नी के ये हफ्ता अच्छा होगा। इस सप्ताह बनने वाले संबंध ज्यादा समय तक चलेंगे। पार्टनर से सुख मिल सकता है। खर्चे बढ़ सकते हैं।

धनु — पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताने के लिए समय निकालें। प्रेमी से अपने संबंधों को लेकर गंभीर बात कर सकते हैं। कोई छोटी बात परेशान कर सकती है।

मकर — प्रेमी से अपनी बात मनवाने की कोशिश ना करें। यदि प्रेम संबंध पुराने हैं तो भी अपनी पसंद-नापसंद और भावनाएं प्रेमी पर न थोपें। पार्टनर के साथ बाहर जा सकते हैं। खर्चे बढ़ सकते हैं।

कुम्भ — पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। शादी के योग बन रहे हैं। आज प्रेमी की ओर से खुशखबरी मिलेगी। पार्टनर परेशान हो सकती है।

मीन — प्रेमी को समय दें और बातचीत जारी रखें। अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप ज्यादा समय तक चल सकती है।

गंगूबाई काठियावाड़ी
करीम लाला की रियल गैंगस्टर लाइफ की कहानी

बॉलीवुड | मसाला

इन दिनों आलिया भट्ट और अजय देवगन अपनी अपकमिंग फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर सुर्खियों में हैं। संजय लीला भंसाली की फिल्म में आलिया पहली बार लेडी डॉन की भूमिका में नजर आयेंगी। वहीं अजय देवन करीम लाला का किरदार निभाते दिखेंगे। गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर पहले ही बहुत सी बातें हो चुकी हैं। आइये अब थोड़ा बहुत करीम लाला के बारे में भी जान लें। गंगूबाई का पूरा नाम गंगा हरजीवनदास काठियावाड़ी था। गुजरात की रहने वाली गंगूबाई बचपन से ही एक्ट्रेस बनने का सपना देखती थी। इस बीच गंगूबाई पिता के अकाउंटेंट रमनीक लाल के प्यार में पड़ जाती है। रमनीक लाल के प्यार में डूबी गंगूबाई गुजरात से मुंबई पहुंचती है और शादी करके घर बसा लेती है। पर शायद गंगूबाई की किस्मत में कुछ और लिखा था। चंद पैसों के लिये रमनीक लाल गंगूबाई को कमाठीपुरा के कोठे में बेच देता है। अब गंगूबाई एक दलदल में फंस चुकी थी। जहां से निकलना बेहद मुश्किल था। इसी दौरान गंगूबाई की मुलाकात मुंबई के डॉन करीम लाला से होती है। करीम से मिल कर गंगूबाई अपने लिये न्याय की गुहार लगाती है। करीम लाला अगर कई लोगों के लिये डॉन था, तो कुछ लोगों के लिये भगवान भी था। करीम लाला ने भी गंगूबाई की मजबूरी को समझते हुए उसकी मदद का फैसला किया। इसके बाद दोनों मुंह बोले भाई-बहन गये। रियल लाइफ करीम लाला की कहानी जानकार बताते हैं कि मुंबई का सबसे पहला माफिया डॉन करीम लाला ही था, जिसे अंडरवर्ल्ड डॉन हाजी मस्तान भी रियल डॉन मानते था। कहा जाता है कि मुंबई में करीम लाला के नाम का बोल बोला था। वो जहां भी कदम रख दे, लोग डर से थर-थर कांपने लगते थे। मुंबई डॉन रहते हुए उसका नाम कई गैर-कानूनी कामों में शुमार था। यही नहीं, कहते हैं कि करीम लाला इतना पावरफुल था कि उसने एक बार बीच बजार दाऊद इब्राहिम की पिटाई कर दी थी। एक तरफ करीम लाला ने खुद को लेकर लोगों के मन में भय बैठा रखा था। वहीं दूसरी तरफ वो गरीबों की मदद करने से भी नहीं चूकता था। करीम लाला की सबसे बड़ी खासियत थी कि वो गरीबों और जरुरतमंदों का दुख नहीं देख पाता था।

सुरभि का फिर दिखा ग्लैमरस लुक

छोटे पर्दे की जानी मानी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने नागिन का किरदार निभाकर घर-घर में अपनी अलग और खास पहचान हासिल कर ली हैं। इन दिनों वह अपने प्रोजेक्ट्स से ज्यादा कातिलाना लुक्स को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। सुरभि ने अपने शानदार अभिनय से तो करोड़ों दर्शकों का दिल जीता ही है, साथ ही फैंस उनकी स्टाइलिश अंदाज के दीवाने रहते हैं। सुरभि अब एक बार फिर से लोगों के लिए चर्चा का विषय बन गई हैं। एक्ट्रेस ने फिर से अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक दिखाई है। हाल ही में सुरभि ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह पिंक शेड शॉर्ट ट्यूब ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। अब उनका ये लुक सोशल मीडिया पर फैल गया है। अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए सुरभि ने बहुत कम मेकअप किया है। उन्होंने गोल्डन और पिंक कलर के ईयररिंग्स कैरी किए हैं। हेयरस्टाइल की बात करें तो सुरभि ने यहां बालों को खुला छोड़ा हुआ है। एक्ट्रेस ने एक साथ अपनी तीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपने हुस्न के जलवे बिखेरती नजर आ रही हैं। सुरभि का एटीट्यूड वाकई आपका दिल जीत लेगा। अब सुरभि की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। फैंस को उनका ये अंदाज बेहद पसंद आ रहा है। तमाम यूजर्स लगातार कमेंट कर अलग-अलग रिएक्शन दे रहे हैं। लोगों के लिए उनकी इन अदाओं से नजरें हटाना मुश्किल हो गया है। यहां सुरभि के चाहने वाले उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

अक्षय ने टाइगर श्रॉफ को दिया खुला चैलेंज, कहा-

जब तुम पैदा हुए, उस समय से फिल्में कर रहा हूं

अक्षय कुमार का एक ट्वीट चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने टाइगर श्रॉफ को चैलेंज दे दिया है। इस ट्वीट में उन्होंने टाइगर के लिए लिखा है कि जिस साल तुम पैदा हुए थे, उसी साल मैंने फिल्मों में डेब्यू किया था। फिर भी मुकाबला करेंगे छोटे मियां? चलो फिर हो जाए फुल ऑन एक्शन। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार जल्द ही दूसरे एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं। दोनों फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के रीमेक में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 साल पहले 1998 में रिलीज हुई अमिताभ बच्चन और गोविंदा स्टारर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की रीमेक होगी। यह फिल्म अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। मेकर्स का दावा है कि यह सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनमेंट फिल्म होगी। फिल्म की अनाउंसमेंट से पहले ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के रीमेक की अनाउंसमेंट की जा सकती है। टाइगर श्रॉफ ने एक वीडियो शेयर किया था जिसमें अमिताभ और गोविंदा की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के कुछ दृश्यों को दिखाया गया था और बताया था कि 24 साल पहले हम दो मजबूत एक्टर्स को साथ लाए थे। साथ ही बताया गया था कि अब बड़ी अनाउंसमेंट की जाएगी। जिसके बाद से ही फील्म के रीमेक को लेकर कयास लगाए जा रहे थे।
यह पहली बार होगा जब अक्षय और टाइगर साथ में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होगी। फिल्म को अली अब्बास जफर डायरेक्ट करेंगे।

ये है दुनिया का सबसे अद्भुत मंदिर, जिसमें आते ही उतर जाता है जहरीले सांपों का जहर

हमारा देश मंदिरों का देश है, जहां आपको हर शहर, कस्बा और गांव में कोई न कोई मंदिर जरूर मिल जाएगा। इनमें से तमाम मंदिर प्राचीन काल हैं तो कुछ मंदिर बहुत ही अद्भुत और रहस्यमयी भी हैं। यही नहीं ऐसा माना जाता है कि देश के कई मंदिर ऐसे हैं जहां कोई भी मन्नत मांगने पर पूरी हो जाती है। ज्योतिष के मुताबिक हिंदू धर्म में कई ऐसी बाते हैं जिनका कोई भी वैज्ञानिक प्रमाण तो नहीं है लेकिन इनके अस्तित्व को कोई नजरअंदाज भी नहीं कर सकता। आज हम आपको एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाने से मात्र सांप का जहर उतर जाता है। हालांकि आज भी लोगों को इसपर यकीन करना मुश्किल होता है कि आखिर क्या वजह है कि इन जगहों पर अत्यंत विषैले सांपों का जहर बस कुछ ही देर में उतर जाता है। उत्तराखंड में देवभूमि करके एक स्थान है जहां पर सांप द्वारा काटे जाने के बावजूद सांप का जहर उतर जाता है। बताया जाता है कि इस गांव में सदियों से नागों की पूजा होती आ रही है इसलिए इस मान्यता है कि इस गांव पर नांग देवता की कृपा हा। गांव में हर साल 13 अप्रैल को नाग देवता की पूजा अर्चना करने का विधान है। इस पूजा में शामिल करने के लिए बहुत दूर दूर से लोग आते हैं। इसी के साथ इस मंदिर में ये भी मान्यता है कि अगर सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना नाग देवता जरूर पूरा करते हैं। इसी तरह की एक जगह छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में भी है। जहां पर किसी को सांप ने काटा हो और वो आए तो उसका जहर उतर जाता है। रायपुर के डिघारी गांव में भी सांपों के साथ गहरी दोस्ती। यहां कभी भी कोई सांप को नहीं मारते हैं। ना ही यहां के सांप किसी व्यक्ति को काटते हैं। लेकिन यदि किसी को कहीं सांप ने काटा हो तो इस मंदिर में उसका जहर उतर जाता है। इसके पीछे की ये मान्यता बताई जाती है कि इस गांव में एक बार किसी ब्राह्मण ने सांप की जान बचाई थी। यह उस सांप का ही वरदान है कि इस गांव में किसी को सांप नहीं काटता। वहीं दूसरी जगह से अगर कोई आए जिसे सांप ने काटा हो तो सांप की कृपा से उसकी जान बच जाती है।

अजब-गजब | बेहद दिलचस्प है वजह, जानकर हो जाएंगे हैरान

अंडे के अंदर चूजे को कहां से मिलती है ऑक्सीजन, जबकि पूरी तरह से होता है पैक?

किसी भी जीव को जीने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है। फिर चाहे वो इंसान हो, जानवर या कोई पक्षी, लेकिन आपने देखा होगा कि पक्षी अंडे देते हैं। पक्षी का अंडा पूरी तरह से बंद होता है। लेकिन कभी आपने सोचा है कि जब अंडा पूरी तरह से बंद होता है, तो उसके भीतर चूजा यानी भ्रूण जिंदा कैसे रहता है? आखिर उसे ऑक्सीजन कहां से मिलती है। आइए बताते हैं इसका सच।

झिल्लियों के बीच होती है ऑक्सीजन

इस सवाल तक पहुंचने में कई साल लग गए। आपने देखा होगा कि अंडा एक कठोर खोल होता है, जिसे देखने पर ये पूरी तरह से पैक लगता है। लेकिन उसके नीचे झिल्लियां होती हैं। जो हमें सामान्य तौर पर दिखाई नहीं देती। झिल्लियों के बीच एक छोटी वायु कोशिका होती है। इसी के अंदर ऑक्सीजन भरी होती है।

अंडे में होते हैं 7000 से ज्यादा छेद

आपको जानकर हैरानी होगी कि मुर्गी के अंडे के खोल में 7,000 से ज्यादा छेद होते हैं। अगर आप magnifying glass की मदद से अंडे को ध्यान पूर्वक देखेंगे तो उसके अंदर आपको छोटे-छोटे छेद दिखाई देंगे। इनमें से ना केवल ऑक्सीजन अंदर जाती है बल्कि कार्बन डाइऑक्साइड बाहर भी आती है।

छेदों से ही मिलता है चूजे को पानी

इतना ही नहीं, इन्हीं कोशिकाओं की मदद से चूजे को पानी भी मिलता है। भ्रूण के पूर्ण विकसित हो जाने के बाद विहंग शिशु अंडे रूपी के दिखाने से बाहर आने के लिए अपनी चोंच से बार-बार प्रहार करता है। इससे अंडे के बीचों-बीच या अन्य किसी चौड़े स्थल पर एक दरार हो जाती है, जिससे चूजा बाहर निकल आता है। जब वो बाहर आता है तो एक तरल पदार्थ से भीगा रहता है। लेकिन जल्द ही हवा के संपर्क में आने से सूख जाता है। इसलिए अंडा के अंदर चूजा पैक रहता है और ऑक्सीजन भी मिलता है।

क्या करोड़ों लेकर तय किया गया था बदायूं शहर का सपा का प्रत्याशी

» स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी, शिकायत पहुंची राष्ट्रीय नेतृत्व तक

» स्थानीय नेतृत्व ने गुमराह कर दिया राष्ट्रीय नेतृत्व को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर जहां चुनाव में एक-एक सीट को लेकर घमासान जारी है वहीं बदायूं शहर की समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को लेकर घमासान मच गया है। यहां से अचानक मुंबई के एक दागदार बिल्डर को प्रत्याशी बना दिया गया जिससे हर कोई हैरत में है। आम चर्चा है कि स्थानीय स्तर पर इससे पांच करोड़ लेकर नेतृत्व को गुमराह किया गया और ऐसे प्रत्याशी को टिकट दे दिया गया जिसे कुछ दिन पहले तक कोई जानता भी नहीं था। बदायूं में सपा के टिकटों का यह वितरण किसी के गले नहीं उतर रहा है क्योंकि कई जीती हुई सीटों पर भी गलत बंटवारे से मुसीबत पैदा हो गयी है। इस करोड़ों की डील की चर्चा अब राष्ट्रीय नेतृत्व तक भी पहुंच गयी है।

मुंबई के एक दागदार व्यापारी को दे दिया गया टिकट

रईस अहमद

उल्लेखनीय है कि बदायूं समाजवादी पार्टी का गढ़ रहा है। यहां के पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव हैं जो सपा मुखिया अखिलेश यादव के करीबी हैं। यहां विवाद सपा के पूर्व स्थानीय विधायक आविद रजा की बगावत से शुरू हुआ। आविद रजा, आजम खां के बहुत करीबी है। उनका धर्मेन्द्र से छत्तीस का आंकड़ा है।

इस चुनाव में धर्मेन्द्र यादव शुरुआत में काजी रिजवान की पैरवी कर रहे थे। उनको सपा मुखिया अखिलेश यादव से मिलवा लाये थे। दोनों के फोटो भी खिंच गये थे। अखिलेश ने उनको सिंबल भी दे दिया था पर इसी बीच मुंबई के अरबपति व्यवसायी रईस अहमद को राजनीति में आने का शौक चर्राया। उसने टिकट पाने के लिये पैसों की थैली खोल दी। बताया जाता है कि एक बड़े नेता को उसने पांच करोड़ रुपये दिये और फिर राष्ट्रीय नेतृत्व को गुमराह किया गया कि रिजवान की जगह रईस अच्छा चुनाव लड़ लेंगे और टिकट रईस को दिलवा दिया गया। रईस को टिकट मिलते ही उनके काले धंधे की बातें बदायूं में चर्चा का विषय बन गयी। बदायूं में मचा घमासान साबित कर रहा है कि यह सीट जानबूझकर स्थानीय लोगों ने भाजपा को दे दी जिससे नगर विकास राज्य मंत्री महेश गुप्ता यह चुनाव जीत जाएं।

नाराजगी देख अखिलेश ने संभाला मोर्चा

बदायूं शहर में गलत टिकट बंटने के बाद जब नाराजगी चरम पर पहुंच गयी तो खुद अखिलेश यादव ने मोर्चा संभाला। उन्होंने काजी रिजवान को बुलाकर समझाया कि सारी बातें भूलकर अब पार्टी को जिताओ। बताया जाता है कि अखिलेश इस पूरे मामले से बहुत नाराज हैं।

ईडी का खुलासा, चन्नी के नाम पर भतीजे ने कमाए 325 करोड़

» कई अधिकारियों पर कस सकता है शिकंजा, तीन दिन की रिमांड पर हनी

» जांच के दायरे में आ सकते हैं सीएम चन्नी के कई रिश्तेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। रेत खनन और तबादले के खेल में गिरफ्तार भूपिंदर सिंह हनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने खुलासा किया है कि हनी ने चन्नी के नाम का इस्तेमाल कर 325 करोड़ रुपये कमाए हैं। मंगलवार को उसे अदालत में पेश कर तीन दिन का रिमांड पर लिया गया है।

ईडी की तरफ से पेश वकील लोकेश नारंग ने अदालत में कहा कि मामला करोड़ों रुपयों से जुड़ा है। ईडी ने दावा किया कि हनी ने पूछताछ में माना है कि अवैध खनन मामले में अधिकारियों के स्थानांतरण करवाकर करोड़ों रुपये की वसूली की है। इसकी गहराई में जाने और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए और पूछताछ की जरूरत है। ऐसे में हनी का रिमांड तीन दिन और बढ़ाया जाए। जांच एजेंसी ने अदालत में तर्क दिया कि उसके व उसके सहयोगियों के पास से जब्त करीब 10 करोड़ रुपये की धनराशि पंजाब में अवैध रेत खनन व अधिकारियों के तबादलों के जरिये

एकत्र की गई थी। अभी यह पता लगाना बाकी है कि यह रकम किन अधिकारियों ने हनी को दी थी। ईडी के तर्क के बाद अदालत ने हनी का रिमांड तीन दिन तक और बढ़ा दिया। दूसरी ओर, सूत्रों का कहना है कि पंजाब के कई अधिकारी ईडी के रडार पर हैं। टीम उन पर शिकंजा कस सकती है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भतीजे भूपिंदर सिंह को ईडी ने तीन फरवरी को पहले पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन उन्होंने सवालों के सही जवाब नहीं दिए इसलिए उन्हें देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। उधर, ईडी के अधिकारी खुलकर तो कुछ नहीं बता रहे हैं लेकिन इतना साफ है कि सीएम के कई अन्य रिश्तेदार भी जांच के दायरे में आ सकते हैं।

भाजपा का घोषणा पत्र झूठा: प्रियंका

कांग्रेस प्रत्याशी समेत 2500 कार्यकर्ताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

» महिलाओं पर किए जा रहे अत्याचार आगरा में अनुमति के बिना रोड शो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा गांधी पहले चरण का चुनाव प्रचार थमने से चंद घंटे पहले मंगलवार को मथुरा पहुंचीं। वह कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप माथुर के समर्थन में प्रचार करने आईं। प्रियंका ने विश्राम घाट पर विधि-विधान से यमुना पूजन किया। यमुना पूजन के बाद प्रियंका ने रोड शो कर कांग्रेस प्रत्याशी के लिए जनता से वोट की अपील की।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा गांधी ने भाजपा के घोषणापत्र को झूठा बताया है। उन्होंने कहा है कि अब भाजपा रोजगार देने का दावा कर रही है। पांच साल सत्ता में रहने के दौरान क्यों नहीं दिलाया। यदि रोजगार दिलाया होता तो युवाओं को नौकरी मिल गई होती। प्रियंका चुनाव प्रचार के आखिरी में मथुरा पहुंचीं। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में कई बातें कांग्रेस के प्रतिज्ञा पत्र से ली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं पर अत्याचार किया जा रहा है और भाजपा सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। वहीं आगरा के खेरागढ़ में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के रोड शो के बाद कांग्रेस प्रत्याशी रामनाथ सिंह सिकरवार, आयोजक कुलदीप

दीक्षित समेत 2500 लोगों के खिलाफ थाना खेरागढ़ पुलिस ने आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है। खेरागढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह चंदेल ने बताया कि प्रियंका को कस्बा खेरागढ़ में डोर टू डोर चुनाव प्रचार करना था, जिसमें 20 लोगों की अनुमति ली गई थी लेकिन प्रत्याशी व आयोजक ने करीब 2500 समर्थकों की भीड़ के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मामले में प्रत्याशी और आयोजक समेत 2500 समर्थकों के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है।

बागपत में भाजपा प्रत्याशी के काफिले पर हमला, पथराव

» छपरौली पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। छपरौली कस्बे में भाजपा प्रत्याशी व छपरौली के मौजूदा विधायक सहेंद्र सिंह के काफिले पर हमला हुआ। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जबकि अन्य की तलाश की जा रही है।

भाजपा के विधायक और छपरौली से प्रत्याशी सहेंद्र सिंह मंगलवार को रोड शो निकाल रहे थे। रोड शो रमाला से होता हुआ किरठल, लूंब, तुगाना, छपरौली, रठौड़ा, मुकदपुर, सूप, किशनपुर बिराल होते हुए जाना था। इसके छपरौली कस्बे में घुसते ही कुछ लोगों ने रोड शो की गाड़ियों पर गोबर फेंककर पथराव करना शुरू कर दिया था, जिससे कई गाड़ियों को नुकसान हुआ। उपद्रव ने रोड शो में शामिल महिलाओं की गाड़ी को भी नहीं बख्शा, उस पर भी गोबर व पत्थर बरसाए थे। छपरौली पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपी छपरौली के रहने वाले है, जिनमें आशीष, उज्ज्वल, रामवीर सिंह व किशनपाल शामिल हैं। एसपी नीरज कुमार जादौन ने कहा कि अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमों का गठन किया गया है। पुलिस ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

केशव मौर्य की तस्वीर हटाना भारी पड़ेगा भाजपा को

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया है, लेकिन दिलचस्प बात ये है कि भाजपा के संकल्प पत्र में पीएम मोदी और सीएम योगी की तस्वीर तो नजर आ रही है मगर डिप्टी सीएम केशव मौर्य की तस्वीर नदारद है। इसके पीछे भाजपा में कुछ तो चल रहा है। ये बातें निकलकर सामने आई वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला, श्वेता आर रश्मि, शीतल पी सिंह, विनीत नारायण, हरिजिंदर, सबा नकवी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ एक लंबी परिचर्चा में।

अजय शुक्ला ने कहा खन्ना योगी के करीबियों में है, उन्होंने ही गणित सेट किया है। ऐसे में उनकी भी फोटो है। योगी के सामने दूसरा खड़ा न हो जाए इन्हीं वजहों से केशव की तस्वीर हटाई गई। श्वेता आर रश्मि ने कहा कभी केशव मौर्य तो कभी बेबीरानी मौर्य के नाम पर राजनीति करती है भाजपा, मगर उनको तवज्जो नहीं देती। यूपी में जातिगत

समीकरण है, उसको साधने के लिए डिप्टी सीएम बना दिया मगर उनकी हैसियत है नहीं। शीतल पी सिंह ने कहा पिछड़ी जातियों के बीच केशव मौर्य की लंबी पहुंच हैं। ऐसे में संकल्प पत्र में जो कुछ भी हुआ केंद्रीय नेतृत्व पर सहमति होगी, तभी तस्वीर हटाई जाएगी। विनीत नारायण ने कहा केशव पेंडुलम की तरह हिल रहे हैं, पिछड़ों में इसको लेकर नाराजगी है। पिछड़ों जाति की गोलबंदी करने में केशव मौर्य आगे थे, उनको ही साइडलाइन किया जा रहा, इसका परिणाम चुनाव में दिखेगा। हरिजिंदर ने कहा कवरपेज पर मोदी, योगी, स्वतंत्र देव, खन्ना आदि हैं केशव मौर्य नहीं है, ये बड़ी हैरान करने वाली बात है। योगी मिनी मोदी की तरह काम कर रहे, जहां वे होंगे, वहां केशव मौर्य नहीं होंगे और यूपी में सोशल इंजीनियरिंग शाह, योगी की ही चलेगी।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सबा नकवी ने कहा, ये सत्य है कि बीजेपी के ढांचे में ओबीसी हैं पर चलती है ठाकुरों और ब्राह्मणों की। यूपी में ठोको नीति, ठाकुर की राजनीति अभी चल रही है। अगर इस बार बीजेपी कमजोर होकर यूपी में सरकार बनाती है तो योगी की मदद उच्च नेतृत्व नहीं करेगा और केशव की जगह और कोई चेहरा ला सकता है।

मंत्री नंदी को सताने लगा हार का डर जता रहे बूथ कैप्चरिंग की आशंका

एडीजी से मिलकर संवेदनशील बूथों पर पैरा मिलिट्री तैनात करने की मांग

» विपक्ष ने कहा, जनाधार खो चुके हैं नंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी को हार का डर सताने लगा है। मंत्री ने शहर दक्षिणी में बूथ कैप्चरिंग की आशंका जताते हुए एडीजी जोन से मुलाकात कर संवेदनशील बूथों पर पैरा मिलिट्री फोर्स तैनात करने की मांग की है। मंत्री नन्दी ने एडीजी प्रयागराज जोन प्रेम प्रकाश के आफिस में जाकर उनसे मुलाकात की और इस संबंध में ज्ञापन भी सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि 263 शहर दक्षिणी विधान सभा क्षेत्र में कुल 404 मतदान केंद्र हैं, जिनमें से कई मतदान केंद्र ऐसे हैं जो काफी संवेदनशील हैं। ऐसे संवेदनशील मतदान केंद्रों के मतदेय स्थलों (बूथ) पर पिछले निर्वाचन में उपद्रवी तत्वों द्वारा कब्जा करने व मतदाताओं को मतदान से रोकने की घटनाएं हो चुकी हैं। बड़ी संख्या में मतदाताओं को रोकने का प्रयास किया गया है। 2022 के विधान सभा चुनाव में इस तरह के अराजक तत्व सक्रिय न होने पाये। इस पर विपक्ष हमलावर हो गया है। सपा के शहर दक्षिणी से प्रत्याशी रईश चंद्र शुक्ला ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी नंदी शहर दक्षिणी की जनता में अपना जनाधार खो चुके हैं जिस कारण वे इस चुनाव में हार रहे हैं। इसी बौखलाहट में मंत्री उलजलूल की हरकत कर रहे हैं ।

आम आदमी पार्टी के शहर दक्षिणी से प्रत्याशी डॉ. अल्ताफ अहमद ने कहा कि मंत्री नंदी 10 साल में शहर दक्षिणी में कोई भी विकास कार्य नहीं किया है जिस कारण जनता में भारी आक्रोश है और मंत्री ऐतिहासिक हार की तरह बढ़ रहे हैं ।

कांग्रेस ने दो पूर्व विधायकों को दिखाया पार्टी से बाहर का रास्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड विधान सभा चुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाने की कार्रवाई जारी है। कांग्रेस ने अब दो पूर्व विधायकों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित किया गया है। इससे पूर्व 10 से अधिक प्रमुख नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव संगठन मथुरादत्त जोशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से जिला कांग्रेस कमेटी हरिद्वार की अनुशंसा पर पूर्व विधायक तसलीम अहमद को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित किया गया है। तसलीम पार्टी से बगावत कर लक्सर से पार्टी प्रत्याशी अंतरिक्ष सैनी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं जबकि 2017 के चुनाव में वह कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी थे। वहीं वर्ष 2002 में बहादराबाद से बसपा के टिकट पर विधायक चुने गए थे। दूसरी बड़ी कार्रवाई जिला कांग्रेस कमेटी पिथौरागढ़ की अनुशंसा पर पूर्व विधायक नारायण राम आर्य के खिलाफ की गई है। उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों एवं अनुशासनहीनता के चलते पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। आर्य गंगोलीहाट से वर्ष 2002 और वर्ष 2012 में कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे।

सिर्फ बसपा ला सकती है परिवर्तन: मायावती

» सियासी दलों के घोषणा पत्र हवा-हवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा समेत अन्य दलों ने अपना-अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने विपक्षी पार्टियों के घोषणा पत्र को हवा-हवाई और पाखंड बताया है। उन्होंने कहा कि केवल बसपा ही यूपी को गड्ढा, हिंसा, दंगा मुक्त बना सकती है और राज्य में रोजगार और विकास युक्त भरोसेमंद सरकार दे सकती है।

बसपा प्रमुख मायावती ने एक बयान जारी कर कहा कि एक बार फिर राज्य के लोगों को हवा-हवाई बातों, वादों से ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते बदहाल जनता जनविरोधी सरकार को सबक सिखाने के लिए तैयार है। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता को ध्यान रहे कि केवल बसपा ही राज्य को गड्ढा, हिंसा और दंगा मुक्त बना सकती है। राज्य में रोजगार और विकास युक्त भरोसेमंद सरकार दे सकती है। मायावती ने कहा कि राज्य में बसपा की सरकार का बनना एक सुखद परिवर्तन होगा। राज्य की जनता जीने के लिए हर दिन जितना तनाव, दुख दर्द झेल रही है वो अभूतपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते जातिवाद, गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई के कारण लोगों को पलायन करना पड़ रहा है। लोग परेशान हैं। भाजपा को यूपी में अपनी सत्ता जाते दिख रही है। उन्होंने कहा कि सर्वसमाज के लोगों को सर्वजन हियात व सर्वजन सुखाय की नीतियों पर चलने वाली उनकी आजमाई बसपा पर ही ज्यादा भरोसा दिख रहा है।

भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी जनता: राजभर

सब कुछ बेचने पर तुली है भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। किठौर विधान सभा क्षेत्र से सपा-रालोद गठबंधन प्रत्याशी शाहिद मंजूर के लिए लालपुर गांव में जनसभा करते हुए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर भाजपा पर हमलावर रहे। राजभर ने कहा कि 200 का राशन देकर भाजपा अन्य जरिए से 800 रुपए गरीब लोगों से वसूल कर रही है। उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश की जनता भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगी।

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि गुजरात से आए दो लोगों ने भाजपा पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा कि एक तरफ मोदी कहते हैं कि वह देश नहीं बिकने देंगे, वहीं दूसरी ओर उन्होंने रेलवे बेच दिया, बैंक बेच दिया, एलआईसी बेच दिया। पंद्रह लाख के वादे कर खाते खुलवाए और गृहमंत्री ने इसे चुनावी जुमला बता दिया। देश में तमाम बड़े पदों पर गुजरात के लोग बैठा दिए। मिर्जापुर में मिड-डे-मील पर सवाल पूछने वाले को जेल भेज दिया। 18 महीने के कार्यकाल में भाजपा के झूठ देखकर ही पार्टी सरकार से इस्तीफा दिया। राजभर ने कहा कि हलधरपुर के मैदान में सपा गठबंधन की भीड़ देखकर भाजपा में भूचाल आ गया। इन लोगों ने ही सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा से गुर्जर शब्द हटवाया। उन्होंने कहा कि गठबंधन की सरकार बनी तो पुरानी पेंशन योजना बहाल होगी। 300 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी। पुलिसकर्मियों को प्रतिमाह ढाई सौ रुपए मोबाइल रिचार्ज मिलेगा व अन्य भत्ते भी मिलेंगे।

महिला सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकता बनाएंगे पिंक पुलिस बूथ: अनुराग ठाकुर

» नारी सशक्तिकरण की दिशा में कर रहे हैं काम

» नौकरियों में बढ़ायी जाएगी महिलाओं की भागीदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल लगातार अपने दांव-पेंच लगा रहे हैं। इन सब के बीच केंद्रीय मंत्री और उत्तर प्रदेश में भाजपा के सह प्रभारी अनुराग ठाकुर ने बड़ा बयान दिया है। अनुराग ठाकुर ने दावा किया है कि महिला सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकता है और उत्तर प्रदेश में लगातार नारी सशक्तिकरण की दिशा में काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि दूसरे दलों की बहनें भी अब भाजपा में शामिल हो रही हैं। इसके साथ ही अनुराग ठाकुर ने 3000 पिंक पुलिस बूथ बनाने की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की नौकरी भी दोगुनी की जाएगी।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि 1000 करोड़ की लागत से महिला शौचालय बनवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमने तय किया है कि 1,000 करोड़ रुपए के महिलाओं के लिए शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। इस योजना को हम पिंक योजना के नाम से आगे चलाएंगे। करोड़ों बहनों को उज्ज्वला योजना के अंतर्गत रसोई गैस के सिलेंडर दिए गए हैं, अब होली और दीपावली पर दो रसोई गैस के सिलेंडर बहनों को मुफ्त में दिए जाएंगे। इसके साथ ही अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए भाजपा नेता ने कहा कि जो मुख्यमंत्री रहते हुए गुंडई, मारपीट को बढ़ावा देती हों, जो पलायन कराते हो, वो अब उत्तर प्रदेश में दूसरे से मिलने आकर यहां भी बंगाल जैसे हालात बनाना चाहते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।